वार्षिक परीक्षा

सामान्य हिन्दी

XI

BKG-21/21

समय – 3 घण्टे

पूर्णांक – 90

खण्ड – क

1. बहुविकल्पीय प्रश्न-

क) आदिकाल का एक अन्य नाम है-

अ) स्वर्ण युग ब) सिद्ध-सामन्त काल

स) श्रृंगार काल द) भक्ति काल

ख) 'बीसलदेव रासो' के रचयिता हैं-

अ) देवसेन ब) नरपति नाल्ह

स) विजयसेन सूर द) जिनदत्त सूरि

ग) कबीरदास की रचनाएँ बताइए।

घ) साहित्य लहरी के रचनाकार हैं-

अ) कबीर ब) सूरदास

स) तुलसीदास द) नाभादास

ङ) हिन्दी साहित्य के इतिहास में निम्नलिखित में से किस काल को 'स्वर्णकाल' कहा जाता है-

अ) रीतिकाल ब) आदिकाल

स) भक्तिकाल द) आधुनिक काल

2. क) 'बिहारी-सतसई' की भाषा है-

अ) ब्रजभाषा का ब) खड़ी बोली का

स) अवधि का द) भोजपुरी का

ख) 'कठिन-काव्य का प्रेत' कहलाते हैं-

अ) भूषण ब) केशवदास स) बिहारीलाल द) घनानन्द

ग) महादेवी वर्मा की रचना है-

अ) झरना ब) गुंजन स) रत्नाष्टक द) यामा

घ) गुसाईं दत्त को कवि के रूप में किस नाम से जाना जाता है ?

ङ) जयशंकर प्रसाद की दो काव्य-कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर उनपर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

आत्मा अजर और अमर है। उसमें अनन्त ज्ञान, शक्ति और आनन्द का भण्डार है। अकेले ज्ञान कहना भी पर्याप्त हो सकता है, क्योंकि जहाँ ज्ञान होता है वहाँ शक्ति होती है और जहाँ ज्ञान और शक्ति होते हैं वहाँ आनन्द भी होता है, परन्तु 'अविद्यावशात' वह अपने स्वरूप को भुला है। इसी से अपने को अल्पज्ञ पाता है। अल्पज्ञता के साथ-साथ अल्पज्ञ शक्तिमत्ता आती है और इसका परिणाम दु:ख होता है। भीतर से ऐसी प्रतीत होता है जैसे कुछ खोया हुआ है, परन्तु यह नहीं समझ में

आता कि क्या खो गया है ?

क) ''आत्मा अजर और अमर है।'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ग) सम्पूर्ण आनन्द की कुंजी क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

घ) कैसे व्यक्ति स्वयं को जीवन पर्यन्त दु:खी रखते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

ड 'अविद्यावशात्' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

घुमक्कड़ी से बढ़कर सुख कहाँ मिल सकता है, आखिर चिन्ताहीनता तो सुख का सबसे स्पष्ट रूप है। घुमक्कड़ी में कष्ट भी होते हैं, लेकिन उसे उसी तरह समझिए, जैसे भोजन में मिर्च। मिर्च में यदि कड़वाहट न हो, तो क्या कोई मिर्च-प्रेमी उसे हाथ भी लगाएगा ? वस्तुत: घुमक्कड़ी में कभी-कभी होने वाले कड़वे अनुभव उसके रस को और बढ़ा देते हैं - उसी तरह जैसे काली पृष्ठभूमि में चित्र अधिक खिल उठता है।

क) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ?

ख) संसार का सबसे बड़ा सुख क्या है ?

ग) घुमक्कड़ी के कष्टों की तुलना मिर्च के तीखेपन से क्यों की गई है ?

घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ड) 'चिन्ता हीनता' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

लम्बा मारग दूरि घर, बिकट पन्थ बहु मार।
कहौ सन्तौ क्यूँ पाइये, दुर्लभ हरि दीदार।।
यह तन जारौं मसि करौं, लिखौं राम का नाँउ।
लेखणि करौं करंक की, लिखि लिखि राम पठाऊँ।।

क) कवि के अनुसार प्रभु की प्राप्ति का मार्ग कैसा है ?

ख) प्रभु प्राप्ति के मार्ग में कौन-कौन सी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है ? स्पष्ट कीज़िए।

ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

घ) प्रस्तुत पद्यांश के आधार पर कवि की व्याकुलता का वर्णन कीज़िए।

ड) 'लेखणि करौं करंक' की में कौन-सा अलंकार है ?

अथवा

प्रेतिनी पिसाचडरू निसाचर निसाचरि हूँ,
मिलि मिलि आपुस में गावत बधाई हैं।
भैरों भूत प्रेत भूरि भूधर भयंकर से,
जुत्थ जुत्थ जोगिनी जमाति जोरि आई हैं।।
किलकि किलकि कै कुतूहल करति काली,
डिम डिम डमरू दिगम्बर बजाई हैं।
सिवा पूछैं सिव सों समाज आजु कहाँ चली,
काहू पै सिवा नरेस भृकुटी चढ़ाई है।

क) कवि ने शत्रु सेना में हुए नरसंहार का वर्णन किस प्रकार किया है?

ख) "भैंरों भूत प्रेत भूमि भूधर भयंकर से" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

ग) काली हर्षसूचक किलकारियाँ मार-मारकर क्रीड़ा क्यों कर रही है? डमरू कौन बजा रहे हैं?

घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ड) 'किलकि किलकि कैं कुतूहल करति काली' में कौन-सा अलंकार है?

5. **क) निम्नलिखित में से किसी एक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी रचनाओं का नाम लिखिए-**

अ) डॉ० सम्पूर्णानन्द ब) राहुल सांकृत्यायन स) सरदार पूर्णसिंह

ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय एवं उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए-

अ) सूरदास ब) महाकवि भूषण

6. 'बलिदान' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'आकाशदीप' कहानी का सारांश लिखिए।

7. **अ) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए-**

क) "कुहासा और किरण" नाटक के द्वितीय अंक की कथा का सार अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

"कुहासा और किरण" नाटक के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

ब) 'गरूड़ध्वज" नाटक के दूसरे अंक का कथानक लिखिए।

अथवा

'गरूड़ध्वज' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्रांकन कीजिए।

स) सूत-पुत्र नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

खण्ड - ख

8. **निम्नलिखित अवतरणों का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

अस्योपत्यकासु सुदीर्घा: वनराजयो विराजन्ते, यत्र विविधा: ओषधयो वनस्पतयस्तरवश्च तिष्ठन्ति। इमा: ओषधय: जनान् आमयेभ्यो रक्षन्ति, तरवश्च आसन्द्यादिगृहोपकरण - निर्माणार्थं प्रयुज्यन्ते। हिमालय: वर्षर्तौ दक्षिण-समुद्रेभ्य: समुत्थिता मेघमाला अवरूध्य वर्षणाय ता: प्रवर्तयति।

अथवा

अक्रोधन: सत्यवादी भूतानामविहिंसक।
अनसूयुरजिह्मश्च शतं वर्षाणि जीवति।।

9. **निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए-**

क) ऊँट के मुँह में जीरा ख) आँख का तारा ग) घोड़े बेचकर सोना

10. निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कर लिखिए-

क) 'तथेति' का सन्धि-विच्छेद है-

अ) तथ + इति　　　　ब) तथा + इति

स) त + थेति　　　　द) तथाई + ति

ख) 'भवनम' का सन्धि-विच्छेद है-

अ) भो + अनम्　　　　ब) भव + नम्

स) भू + अनम्　　　　द) भवन + म्

11. क) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए-

अ) सुरभि　　　　ब) लगन　　　　स) अग्नि

ख) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चुनकर लिखिए-

अ) पंथ-पथ

i) पथिक और रास्ता　　　　ii) सम्प्रदाय और मार्ग

iii) चलना और बैठना　　　　iv) मार्ग और काम

ब) सुत-सूत

i) पुत्र और पिता　　　　ii) धागा और सूरमा

iii) पुत्र और सारथी　　　　iv) पिता और पुत्र

ग) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन के अनुसार चयन कीजिए-

अ) नाम्ने-

i) पञ्चमी, एकवचन　　　　ii) चतुर्थी, एकवचन

iii) षष्ठी, एकवचन　　　　iv) तृतीय, एकवचन

ब) आत्मानम्-

i) सप्तमी, द्विवचन　　　　ii) चतुर्थी, एकवचन

iii) षष्ठी, बहुवचन　　　　iv) द्वितीया, एकवचन

12. क) वीर अथवा हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

ख) कुण्डलिया या सोरठा छन्द का उदाहरण लिखिए।

ग) यमक अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण लिखिए।

13. पानी की समस्या के निराकरण के लिए नगर पालिका के अध्यक्ष को एक आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने जनपद के भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबन्धक को कार खरीदने के लिए ऋण हेतु एक आवेदन- पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए-

क) बेरोजगारी की समस्या एवं समाधान　　　　ख) वर्तमान युग में योग का महत्त्व

ग) भारतीय समाज में स्त्रियों की स्थिति